इन्टरनेट: एक संक्षिप्त परिचय

इन्टरनेट क्या है

विश्व के विभिन्न स्थानों पर स्थापित टेलीफोन लाइन की सहायता से एक दुसरे के साथ जुड़े कम्प्यूटरों का नेटवर्क ही इन्टरनेट कहलाता है। एक अनुमान के अनुसार पांच करोड़ से ज्यादा कम्प्यूटर इससे जुड़े हुए हैं आशा है कि सन् 2001 तक करीब एक अरब लोग इन्टर नेट के साथ सीधे सम्पर्क स्थापित कर सकेंगें।

इन्टरनेट का इतिहास

जिस समय अमेरीका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध जारी था, उन्हीं दिनों प्रति रक्षा करने वाली संस्थाऐं एक दूसरे से किस तरह लगातार संम्पर्क बनाये रखें, इस बात पर विवार करने के लिए सन् 1969 में, अमेरीका के प्रतिरक्षा विभाग के मुख्य केन्द्र, पेन्टागन में, प्रमुख कम्प्यूटर वैज्ञानिकों एवं इन्जीनियरों की एक बैठक हुई। काफी विचार विमर्श करने के बाद ADVANCE RESEARCH PROJECT AGENCY (ARPA) ने यह निश्चय किया कि प्रतिरक्षा सम्बंधी शोध करने वाली सस्थाओं के कम्प्यूटरों को पैकेट स्विच नैटवर्क की सहायता से, एक दूसरे के साथ जोड़ दिया जाये। इस नेटवर्क प्रणाली में छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर सूचनाएं अलग-अलग रास्तों से निश्चित जगह पर भेज दी जाती हैं। यदि किसी कारण मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, तो सूचनाओं के टुकड़े, दुसरे मार्ग से पहुंच जाते हैं। ARPA द्वारा विकसित इसी नेटवर्क को इंटरनेट का नाम दिया गया। सूचनाओं का यह खजाना मुक्त एवं स्वतन्त्र है इस पर किसी भी संस्था, कम्पनी या सरकार का नियन्त्रण नहीं है इसका कोई भी मालिक नहीं है।

इन्टरनेट के उपयोग

इन्टरनेट पर दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाले अपने मित्र से बातचीत की जा सकती है। इस पर हम इलेक्ट्रोनिक् अखबार पढ़ सकते हैं, विभिन्न् दुकानों में बिकने वाली वस्तुओं की तस्वीरें देख सकते हैं, आर्डर भी दे सकते हैं एवम् पुस्तकालयों से जरुरी सूचना पा सकते हैं।

इन्टरनेट के उपयोग के लिए आवश्यक साधन

-इन्टरनेट के विशाल खजाने को उपयोग में लाने के लिए जरुरी साधन निम्नलिखित है।

1. 486 कम्प्यूटर
2. टेलीफोन
3. मोडम
4. विदेश सचांर निगम लिमिटेड़ की इन्टरनेट सेवा का सदस्य होना ।

इन्टरनेट पर प्राप्त होने वाली मुख्य सुविधांए

(अ) ई-मेल (E-Mail)

इन्टरनेट पर प्राप्त होने वाली सुविधाओं में सबसे प्रमुख ई-मेल है इसकी सहायता से यदि हम कम्प्यूटर पर कोई सन्देश टाईप करते हैं तो यह सन्देश जहां भेजना होगा, वहां तुरन्त पहुंच जायेगा। इसी प्रकार इसकी सहायता से किसी व्यक्ति या समूह को सन्देश भेजा जा सकता है।

प्रदीप कुमार, परिचर

(ब) पुशनेट (Push Net)

पुशनेट की सहायता से हम अपना सन्देश इलैक्ट्रानिक बुलेटिन बोर्ड पर भेज सकते है, जिसे कोई भी व्यक्ति देख सकेगा, वास्तव में पुशनेट अन्तर्राष्ट्रीय मीटिंग करने का स्थान है जहां लोग कम्प्यूटर का उपयोग कर एक दूसरे से मिलते हैं, तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान करते है।

(स) यूसनेट (Usenet)

यूसनेट वास्तव में यूसर नेटवर्क (User network) का संक्षिप्त रुप है, यूसनेट को भिन्न-भिन्न नामों से पुकारा जाता है, इसे न्यूज ग्रुप या डिस्कशन ग्रुप के नाम से भी जानते हैं। कुछ नेटवर्क पर इसे कांफ्रेन्स कोरम, बुलेटिन बोर्डस या स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप जैसे नाम दिये गये हैं।

(द) टेलनेट (Telnet)

टेलनेट से विशाल डाटा बेस में शोध किया जा सकता है। टेलनेट से हम अपने कम्प्यूटर पर नेटवर्क के दूसरे कम्प्यूटरों पर लाग-इन हो सकते हैं।

इन्टरनेट पर उपलब्ध सूचनाओं को ढूंढने में सहायक साफ्टवेयर

आर्ची

साफ्टवेयर से मनचाही विषय की फाईले ढूंढीं जा सकती हैं।

वेरोनिका

- इन सभी फाईलों को हमारे कम्पयूटर की मेमोरी में जमा कर देता है।

गोफर

इससे नेटवर्क के दूसरे कम्प्यूटर में प्रवेश किया जा सकता है इसकी सहायता से मांगीं गई जानकारियां स्वयं के कम्प्यूटर पर प्राप्त की जा सकती है।

डब्ल्यू.ए.आई.एस.

कोड़ वर्ड की मदद से नेटवर्क के दूसरे कम्प्यूटरों से फाईलें खोजने में मदद करता है।

इन्टरनेट शब्दावली

1. **आर्ची (Archie)**

ढूंढने का एक साधन यह उन फाइलों को ढूंढने में मदद करता है जिनको एफ.टी.पी. सर्वर पर संग्रह किया जाता है।

2. **क्लायन्ट (Client)**

एक कम्प्यूटर जो सर्वर/होस्ट तक पहुंचने के लिए प्रयोग में लाया जाता है एक साफ्टवेयर प्रोग्राम. जो दूसरे कम्प्यूटर पर स्थित सर्वर साफ्टवेयर प्रोग्राम से सम्बन्ध स्थापित करने और उससे आंकड़ें प्राप्त करने के काम में लाया जाता है।

3. फ्रीक्वेन्टली आस्कड क्वेशचन्स (Frequently Asked Questious, FAQ)

यह एक प्रकार का दस्तावेज है जिसमें किसी विषय विशेष के सर्वाधिक सामान्य प्रश्नों का संग्रह किया जाता है और उसका जवाब दिया जाता है।

4. फाइल ट्रासंफर प्रोटोकोल (File Transfer Protocol)

एक प्रोटोकोल जोकि एक होस्ट और एक रिमोट कम्प्यूटर के बीच फाइल ट्रांसफर का वर्णन करता है।

5. फिंगर (Finger)

एक सफ्टवेयर प्रोग्राम जिसका प्रयोग इस बात का पता करने के लिए किया जाता है कि इटंरनेट पर दूसरा ग्राहक लांगइन है या नहीं। इसका प्रयोग ग्राहक के ई-मेल पते को ढूंढने में भी किया जाता है।

6. गोफर (Gopher)

इसकी सहायता से गोफरस्पेश में उपलब्ध लिखित सामग्री को ढूंढा जाता है।

7. गोफरस्पेस (Gopherspace)

सर्वर कम्प्यूटरों का नेटवर्क जोकि मीनू के रुप में सूचनाओं को प्रस्तुत करता है।

8. होस्ट (Host)

नेटवर्क का कोई भी कम्प्यूटर जोकि नेटवर्क के दूसरे कम्प्यूटरों को उपलब्ध सेवाओं के लिए होस्ट के रुप में काम करता है।

9. इंटरनेट डोमेन (Internet Domain)

इंटरनेट पर कम्प्यूटरों का तार्किक वर्गीकरण। ऊपरी स्तर का डोमेन एक दो अक्षर का राष्ट्रीय कोड है, जो किसी राष्ट्र के डोमेन स्तर का प्रथम बिन्दु है जैसे- ncsi.iisc, ernet.in।

10. इंटरनेट नांड (Internet Node)

एक कम्प्यूटर जो इंटरनेट तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करता है और आधारभूत इंटरनेट सेवाएं प्रदान करता है।